हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार, 13 अक्टूबर 2025

11 गेट पास को लेकर किसानों व कर्मचारियों में टकराव

12 श्री रामा भारती स्कूल ने जीती समूहगान प्रतियोगिता

Sehgal Art Gallery
Shop No. 10,11, Red Cross Market, Old Tehsil, Jhajjar | M. 9812839098
हमारे यहां घर, होटल, स्कूल, कॉलेज, स्टेडियम आदि की पेंटिंग से सजावट के लिए संपर्क करें। नोट: हर प्रकार की हाथ से बनी हुई कैनवास पेंटिंग उपलब्ध हैं।
व्यक्तिगत फोटो व कोई भी चित्र बनवाने के लिए संपर्क करें।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। रोजगार की चयन प्रक्रिया के लिए आईटीआई पहुंचे युवा।

रोजगार के लिए 14 युवाओं का चयन

बहादुरगढ़। शहर की राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में मैकडोनाल्ड की टीम ने युवाओं को रोजगार देने के लिए चयन प्रकिया का आयोजन किया गया। इसमें फूड प्रोडक्शन और कोपा ट्रेड के पासआउट विद्यार्थियों ने भाग लिया। कॉर्डिनेटर नरेंद्र शर्मा और दिनेश कुमार आदि ने बताया कि इस दौरान 14 लड़के और लड़कियों का चयन भी किया गया। उन्हें ज्वाइनिंग की प्रक्रिया के बारे में बताया गया।

बाइक चोरी के आरोपी को जेल भेजा

बहादुरगढ़। सिटी थाना क्षेत्र में बाइक चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से चोरीशुदा बाइक भी बरामद कर ली गई। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। दरअसल, नई बस्ती निवासी दीपक की 26 अगस्त की रात को श्यामजी कांप्लेक्स के पास से बाइक चोरी हुई थी। इस संबंध में केस दर्ज कर जांच शुरू हुई। मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी की पहचान गौरव निवासी लाइनपार के रूप में हुई है। उसकी निशानदेही पर चोरी की गई बाइक भी बरामद कर ली गई।

अपहरण करने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। सीआईए की एक टीम द्वारा मारपीट करके अपहरण करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। सीआईए प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर ने बताया कि संदीप निवासी जटोली की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए एक अन्य आरोपी को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान जोगिंदर निवासी जहांगीरपुर के तौर पर की गई है। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस इस मामले में तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर रही है।

शटर तोड़कर दुकान से 80 हजार रुपये चुरा ले गए चोर, नहीं लगा सुराग

कोमल ज्वेलर्स के यहां बुधवार को हुई करोड़ों की चोरी में पुलिस के हाथ खाली

चोरों के हौसले बुलंद, अब किरयाना शॉप में सेंधमारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

मेन बाजार के कोमल ज्वेलर्स में हुई करोड़ों रुपये की चोरी का अभी सुराग भी नहीं लगा था कि एक और दुकान में चोरों ने सेंध लगा दी। चोरों के हौसले बुलंद हैं। अब यहां गांधी मार्केट में स्थित एक किरयाने की दुकान में चोरी हो गई। अज्ञात चोर शटर को बीच में से मोड़कर अंदर दाखिल हुए और करीब 80 हजार की नकदी पर हाथ साफ कर गए। लाइनपार थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दज कर जांच शुरू कर दी है।

मांडोठी बाजार के निवासी जयंत की यहां रेलवे रोड पर विश्वकर्मा चौक के पास गांधी मार्केट में सतनाम ग्रोसरी नाम से दुकान है। शनिवार रात करीब 9 बजे वे दुकान बंद कर गए थे। देर रात को अज्ञात चोरों ने दुकान को निशाना बना लिया। रविवार की सुबह जब कर्मचारी दुकान खोलने आए तो शटर बीच में से मुड़ा था यानी किसी रॉड आदि से उसे खींचा गया था। इसके बाद दुकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। शटर खोला गया तो फर्श पर कुछ रुपये बिखरे हुए थे और अंदर काउंटर के गल्ले खंगाले गए थे। जांच के दौरान करीब 80 हजार रुपये की नकदी गायब मिली। दुकान मालिक की ओर से पुलिस को शिकायत दे दी गई है। पुलिस ने मामले में छानबीन शुरू कर दी है। मामले की तह तक जाने के लिए आसपास सीसीटीवी फुटेज खंगाली जाएंगी। बता दें कि बहादुरगढ़ में चोरी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। हाल ही में एक ज्वेलरी शोरूम में भी करोड़ों की वारदात हुई थी और अब किरयाना दुकान को निशाना बनाया गया है। बढ़ती चोरी की वारदातों से व्यापारियों में नाराजगी है। व्यापारियों ने सुरक्षा व्यव्यस्था पर सवाल उठाए हैं। वहीं, बीते एक माह में इलाके में आधा दर्जन से अधिक चोरी हो चुकी हैं।

बहादुरगढ़। चोरों द्वारा खंगाले गए गल्ले तथा वारदात के बाद दुकान के बाहर खड़े व्यापारी व पुलिस। फोटो: हरिभूमि

मेन बाजार में करोड़ों की चोरी का नहीं लगा सुराग

बुधवार अलसुबह मेन बाजार के कोमल ज्वेलरी शोरूम से चोरों ने करोड़ों रुपये के सोने व चांदी के जेवरात चुराए थे। करीब दो किलो सोना, 30 किलो चांदी, 4 लाख रुपये नकद व अन्य सामान चोरी हुआ था। ज्वेलर्स ने इकट्ठे होकर पुलिस को ज्ञापन सौंपा व कई नेताओं ने भी सीएम तक मामला पहुंचाया। पुलिस बॉर्डर तक सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। इसके बावजूद चोरों का सुराग नहीं लग पाया है।

सिर में हथौड़ा मारकर गल्ले से 50 हजार लूटे

बहादुरगढ़। परनाला में एक दुकानदार व युवक के बीच विवाद हो गया। विवाद के दौरान आरोपी ने दुकानदार के सिर पर हथौड़े से हमला कर दिया और दुकान से 50 हजार रुपये भी लूट ले गया। घायल दुकानदार अस्पताल में भर्ती है। उसकी शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। लाइनपार थाना पुलिस ने मामले में छानबीन शुरू कर दी है। घायल की पहचान सतबीर के रूप में हुई है। सतबीर मूल रूप से दिल्ली के समसपुर खालसा गांव से है। उसने यहां परनाला में एमआईई रोड पर शनि बाजार के निकट किरयाना की दुकान कर रखी है। बताया जा रहा है कि शाम को परनाला गांव का निवासी प्रवीण उनके पास दुकान में आया। किसी बात पर उनमें कहासुनी हो गई। तब मामला शांत हो गया। इसी बीच रविवार की सुबह जब सतबीर अपनी दुकान में था तो प्रवीण वहां आ गया। आरोप है कि दुकान में घुसकर प्रवीण ने सतबीर के सिर पर हथौड़े से कई वार किए। आसपास लोग इकट्ठे हुए तो वह वहां से चंपत हुआ। इसके बाद घायल सतबीर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सतबीर का आरोप है कि हमला करने के बाद आरोपी युवक दुकान से करीब 50 हजार रुपये की नकदी भी उठा ले गया। उधर, पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- गांव परनाला में किरयाना दुकान संचालक के साथ हुई वारदात, पुलिस ने जांच शुरू की

दो बाइकों की टक्कर में किशोर व युवती की मौत

खरमाण गांव में सड़क हादसे में दो घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

- गड्ढे से बचने के चक्कर में टक्कर इतनी जोरदार हुई कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए
- पीजीआई रोहतक में चल रहा 15 वर्षीय किशोरी का इलाज, हादसे के शिकार चारों एक ही गांव खरमाण के

गांव खरमाण में रविवार की देर शाम दर्दनाक हादसा हो गया। यहां दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में एक किशोर व युवती की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम छा गया। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। यह हादसा गांव दुल्हेड़ा से खरमाण जाने वाले रोड पर हुआ। बताया जा रहा है कि दोनों बाइकों की टक्कर तेज रफ्तार के कारण हुई। एक बाइक पर करीब 16 वर्षीय यश व उसका बड़ा भाई 18 वर्षीय नवयुग निवासी गांव खरमाण सवार थे। जबकि दूसरी बाइक पर 15 वर्षीय सिमरन और उसकी 25 वर्षीय बड़ी बहन निशिका निवासी गांव खरमाण जा रही थी। गड्ढे से बचने के चक्कर में हुई टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में चारों को गंभीर चोटें आईं। राहगीरों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। यश को बहादुरगढ़ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। उसका भाई नवयुग फिलहाल खतरे से बाहर है।

छोटी बहन पीजीआई में भर्ती

दूसरी बाइक पर सवार दोनों बहनों को गंभीर हालत में पीजीआई रोहतक ले जाया गया। इलाज के दौरान निशिका को भी मृत घोषित कर दिया गया, जबकि उसकी छोटी बहन सिमरन की हालत खतरे से बाहर है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों बाइकों को कब्जे में लिया और हादसे की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह तेज रफ्तार सामने आई है। इस हादसे से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सोमवार को शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

आईपीएस वाई पूरन कुमार की आत्महत्या से बहादुरगढ़ के अनुसूचित समाज में रोष की लहर

दलित महासभा हरियाणा ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

- सीबीआई जांच की मांग करते हुए आंदोलन जारी रखने की दी चेतावनी

बहादुरगढ़। प्रदर्शन के बाद ज्ञापन सौंपते दलित महासभा के पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

आईपीएस वाई पूरन कुमार आत्महत्या प्रकरण को लेकर रविवार को दलित महासभा हरियाणा के बैनर तले भारी विरोध प्रदर्शन किया गया। हालांकि प्रशासन ने उन्हें पुतला नहीं फूंकने दिया। प्रदर्शनकारियों ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। दलित महासभा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष बिजेंद्र लूखड़ के नेतृत्व में प्रदर्शन के बाद ज्ञापन सौंपा गया। महासभा ने ज्ञापन में आरोप लगाया है कि वाई पूरन कुमार को हरियाणा पुलिस के कुछ अधिकारियों द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया, जिसके कारण उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया। बिजेंद्र लूखड़ ने कहा कि पुलिस विभाग के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से वाई पूरन कुमार पर झूठे आरोप लगाकर उत्पीड़न किया गया। जिससे दुखी होकर उन्होंने अपनी जान दे दी। दलित महासभा ने मांग करते हुए कहा कि इन अधिकारियों के खिलाफ तुरंत कड़ी कार्रवाई की जाए और इस पूरे मामले की सीबीआई जांच कराई जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके। लूखड़ ने बताया कि संगठन लंबे समय से इस मामले में न्याय की मांग कर रहा है, लेकिन अभी तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

हरिओम प्रधान, संदीप, विजय, दिलबाग सिंह, अजय, सतीश, नरेश, दिपांशु, सतपाल, शिवम, भारत व साहिल आदि ने कहा कि जब तक दोषियों को सजा नहीं मिलती, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने नारेबाजी की और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। महासभा ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को प्रदेश स्तर पर और तेज किया जाएगा।

हत्या के मामले में दो आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर लाई पुलिस

बहादुरगढ़। बादली निवासी कर्मवीर की हत्या के मामले में पुलिस दो और आरोपियों नेगी निवासी माजरी और पवन निवासी गुभाना को प्रोडक्शन वारंट पर लाई है। बादली थाना प्रभारी सुरेश कुमार के अनुसार, जयप्रकाश निवासी बादली ने शिकायत दी थी कि 19 सितंबर को गुरुग्राम में हमारी अपने ही गांव के विकास व अजय के साथ ग्राहक तोड़ने को लेकर कहासुनी हो गई थी। शाम को हम दोनों गाड़ी में बैठकर घर जा रहे थे। गांव लाडपुर मोड़ शिव मंदिर के पास दो गाड़ियों में आए विकास, अजय और उसके साथियों ने डंडों से हमला कर दिया। कर्मवीर की पिटाई से मौत हो गई।

घर में घुसकर फायरिंग में छह पकड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

- दुर्गा कॉलोनी में दो लोगों को बुरी तरह पीटा था और अपहरण का किया था प्रयास

दुर्गा कॉलोनी स्थित मकान में घुसकर जानलेवा हमला करने, फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आपसी रंजिश के चलते आरोपियों ने वारदात की थी। इनमें से पांच को जेल भेज दिया गया है, जबकि एक आरोपी को पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। वारदात 9 अक्टूबर की रात की है। शिकायतकर्ता राजू ने पुलिस को बताया था कि रात्रि को हम घर पर सो रहे थे। तभी किसी ने हमारा दरवाजा खटखटाया। मेरे पिताजी ने दरवाजा खोला तो तीन नौजवान लड़के हमारे घर के अंदर घुस आए और जबरदस्ती मुझे ले जाने लगे। परिवार के सदस्यों ने छुड़ाने की कोशिश की तो हमलवारों ने फायर कर दिया। संयोगवश गोली किसी को नहीं लगी और मैं जान बचाकर वहां से भागा। इसके बाद आरोपियों ने मेरे परिवार के साथ मारपीट की। इस संबंध में लाइनपार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। मामले में कार्रवाई करते हुए अब छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान कमल निवासी रिसालु पानीपत, अंकित निवासी भाली रोहतक, साहिल निवासी नाहरी सोनीपत, रोहित निवासी जटवाड़ा बहादुरगढ़, राहुल निवासी ढिगाना जींद व मनीष निवासी दुर्गा कॉलोनी बहादुरगढ़ के रूप में हुई है। आरोपियों की निशानदेही पर एक डंडा और गाड़ी बरामद की गई है। हथियार बरामद करने व अन्य पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कमल को एक दिन के रिमांड पर लिया गया है और बाकी पांच आरोपी जेल भेज दिए गए हैं।

हिमांशु जाखड़ ने तोड़ा नीरज चोपड़ा का रिकॉर्ड

- नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दर्ज की बड़ी उपलब्धि, वर्ल्ड अंडर-20 चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

एचडी स्कूल साल्हावास के पूर्व छात्र हिमांशु जाखड़ ने 40वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा का 11 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया ने बताया कि यह प्रतियोगिता भुवनेश्वर में आयोजित की जा रही है। साल्हावास निवासी दलबीर जाखड़ के पुत्र हिमांशु ने 80.38 मीटर जैवलिन थ्रो करते हुए ओलंपिक गोल्ड विजेता नीरज चोपड़ा के 76.50 मीटर के रिकार्ड को तोड़ा है। उन्होंने बताया कि एशियन अंडर-18 चैंपियन हिमांशु ने इस रिकार्ड के साथ वर्ष 2026 में होने वाली वर्ल्ड अंडर-20 चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई किया है। हिमांशु ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने ताऊ जगबीर जाखड़ व कोच के मार्गदर्शन को दिया। इस उपलब्धि पर एचडी ग्रुप के डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव विशाल नेहरा व हेमंत गुलिया ने बधाई देते हुए हिमांशु के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बाटिक प्रिंटिंग में पिघले मोम से सजा रहे कपड़े

मुंबई के अनिल कुमार पांडेय प्राचीन हस्तशिल्प को रखे हैं जीवित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

प्राचीन भारत से लेकर आधुनिक भारत के कालक्रम में शिल्पकार बहुआयामी भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं। ऐसे ही शिल्पकार के रूप में मुंबई के अनिल कुमार पांडेय शिल्पकला के निर्माता और विक्रेता के अलावा समाज में डिजाइनर, सर्जक, अंवेषक और समस्याएं हल करने वाले व्यक्ति के रूप में कई भूमिकाएं निभा रहे हैं। वह मोम को पिघलाकर कपड़ों पर एक खास तरह की प्रिंटिंग करते हैं, जिसे बाटिक प्रिंट कहा जाता है। ये कारीगरी हाथ से की जाती है। इंडोनेशिया-जावा के बाटिक को सबसे प्राचीन माना जाता है।

खास बातें

- सेक्टर-6 के कम्युनिटी सेंटर में चल रही दस दिवसीय नाबार्ड नेशनल आर्ट एंड कल्चर उत्सव एवं प्रदर्शनी
- खास तरह से कपड़े पर होती है कलाकारी

इंडोनेशिया की प्रमुख कला

मुंबई में जन्म लेने और परवरिश के बाद अनिल कुमार पांडेय एक बायो टेक्नोलॉजी कंपनी में मार्केटिंग मैनेजर के रूप में कार्यरत थे। अनिल के पिता पहले नेवी में थे और फिर टेक्सटाइल में आ गए। जबकि ससुर साइंटिस्ट हैं। उनके परिवार के ज्यादातर लोग बाहर काम करते हैं। ऐसे में उनकी पत्नी वीना पांडेय ने 1997 में बाटिक प्रिंट को अपनाया। करीब 10 साल बाद वर्ष-2007 में अनिल ने भी इस शिल्पकला को अपना लिया। उनके अनुसार बाटिक प्रिंट इंडोनेशिया की प्रमुख शिल्पकला है। भारत में कोलकाता और उज्जैन (भैरवगढ़) में भी इस कला के वस्त्र तैयार किए जाते हैं। हालांकि धीरे-धीरे यह कला देश के अन्य शहरों में भी विस्तार कर रही है। इस प्रिंटिंग के जरिए कपड़ों को सजाकर खूबसूरत बनाया जाता है। अनिल कुमार मानते हैं कि शिल्पकार जिस जीवंतता के साथ कार्य करता है, वह उसे एक सांस्कृतिक प्राणी और सौंदर्योपासक बना देती है।

बहादुरगढ़। बाटिक प्रिंट की बारीकि समझाते अनिल कुमार पांडेय।

इस तरह होता है प्रिंट

शिल्पकार अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि बाटिक प्रिंट को टिकाऊ बनाने के लिए रंगाई के दौरान पिघली हुई गर्म मोम से कपड़ों पर लाइनें और डॉट्स बनाए जाते है ताकि कपड़े पर रंग नहीं फैल सके। छोटे-छोटे डिजाइन के लिए ब्रश और पेन का इस्तेमाल होता है। इस प्रक्रिया को कैंटिंग कहा जाता है। एक दूसरी विधि भी उपयोग में लायी जाती है, जिसमें स्टैम्प का इस्तेमाल होता है। अंत में कपड़ों पर लगे मोम को गर्म पानी का इस्तेमाल कर हटाया जाता है।

15-20 को रोजगार

हस्तशिल्पी या दस्तकार अपने हाथों के कौशल से सजावट की चीजें बनाते हैं। शहर के सेक्टर-6 में स्थित कम्युनिटी सेंटर में चल रही दस दिवसीय नाबार्ड नेशनल आर्ट एंड कल्चर उत्सव एवं प्रदर्शनी में अपनी दस्तकारी के साथ पहुंचे अनिल कुमार पांडेय बताते हैं कि इस कला को अपनाने के बाद उनकी आमदनी भी बढ़ी है। वे परिवार व समाज के लिए भी अतिरिक्त समय निकाल पाते हैं। उनके साथ अब करीब 15-20 लोग अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं।

युवक से मोबाइल छीनकर भागे शातिर बाइक सवार

बहादुरगढ़। इलाके में आपराधिक वारदात थमने का नाम नहीं ले रही। अब यहां सेक्टर-16 में एक फैक्ट्री के बाहर श्रमिक से मोबाइल छीन लिया गया। बाइक सवार तीन शातिर युवकों ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मामले में छानबीन शुरू कर दी है। आसौदा निवासी हिमांशु का कहना है कि वह सेक्टर-16 स्थित एक कंपनी में काम करता है। शनिवार रात करीब आठ बजे वह कंपनी के बाहर खड़ा होकर फोन पर अपनी मां से बात कर रहा था। इसी दौरान बाइक सवार तीन शातिर युवक आए। उनमें से एक बाइक पर बैठा रहा और दो मेरे पास आए। फिर एक ने मुझे पीछे से पकड़ लिया तथा दूसरे ने मोबाइल छीन लिया। वारदात के बाद बाइक पर सवार होकर बहादुरगढ़ की तरफ चंपत हो गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। उधर, सूचना पाकर पुलिस हरकत में आई और भागदौड़ शुरू की लेकिन तब तक शातिर चंपत हो चुके थे। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

परंपरा और विश्वास का लोकपर्व है अहोई अष्टमी

हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां त्योहार केवल रस्म नहीं होते, बल्कि सामाजिक तालमेल और खुशियों का प्रतीक भी होते हैं। माताएँ अपनी संतान की दीर्घायु के लिए अहोई माता का व्रत रखती हैं। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में "होई माता" की कथा और पारंपरिक चित्रांकन का विशेष महत्व है।

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा अपनी संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की मिट्टी में मेहनत, वीरता और अपनेपन के साथ-साथ अतीत से ही सांस्कृतिक सुगंध भी बसी है। इसीलिए हरियाणा के लोग न केवल कृषि और खेलों में अग्रणी है बल्कि अपने धार्मिक और सांस्कृतिक त्योहारों को पूरे हर्षोल्लास से मनाने के लिए भी जाने जाते हैं। हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां त्योहार केवल रस्म नहीं होते, बल्कि सामाजिक तालमेल और खुशियों का प्रतीक भी होते हैं। लोग पारंपरिक लोक गीतों, नृत्यों और सादगी भरे रीति-रिवाज़ों से त्योहारों को जीवंत बना देते हैं।

यहाँ त्योहार केवल पूजा तक सीमित नहीं, बल्कि गाँवों में सामूहिक एकता, रिश्तों की मजबूती और परंपराओं की निरंतरता का प्रतीक हैं। इसके अलावा यह जानना रोचक होगा कि हरियाणा में हर त्योहार को मनाने के पीछे कुछ वैज्ञानिक, सामाजिक अथवा सांस्कृतिक कारण रहते हैं। फिर चाहे होली, दीवाली, गोवर्धन पूजा, बासोड़ा, शीतला अष्टमी, धुलेंडी, तीज, रक्षाबंधन, भाईदूज, करवा चौथ, नवरात्र, बसंत पंचमी हो या अहोई अष्टमी। गौरतलब है कि हरियाणवी संस्कृति में नारी जाति का विशेष सम्मान है। माँ, बहन और बेटी के रूप में नारी को शक्ति और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। तीज, रक्षाबंधन, करवा चौथ जैसे अनेक पर्व स्त्रियों की श्रद्धा तथा विश्वास का प्रतीक हैं और उन्हीं में से एक है 'अहोई अष्टमी' अहोई अष्टमी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाने वाला त्योहार है जो दिवाली से लगभग 8 दिन पहले। सनातन पंचांग के अनुसार, यह तिथि करवा चौथ के ठीक चार दिन बाद और दिवाली से सात-आठ दिन पहले आती है।

अहोई अष्टमी मुख्यतः उत्तर भारत में बड़े श्रद्धाभाव से मनाई जाती है। यह पर्व विशेष रूप से हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और बिहार में अत्यंत लोकप्रिय है, जहाँ माताएँ संतान की दीर्घायु के लिए अहोई माता का व्रत रखती हैं। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में "होई माता" की कथा और पारंपरिक चित्रांकन का विशेष महत्व है। मध्य प्रदेश और गुजरात में भी उत्तर भारतीय परिवारों के बीच यह परंपरा प्रचलित है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में भी अहोई अष्टमी का व्रत किया जाता है। भारत के बाहर, फिजी, मॉरीशस, सूरीनाम, कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में बसे भारतीय समुदाय भी इस पर्व को उतनी ही आस्था से मनाते हैं। हरियाणा के साथ-साथ सम्पूर्ण भारत इस वर्ष की अहोई अष्टमी आज सोमवार 13 अक्टूबर 2025 (सोमवार) को मना रहा है।

इस दिन माताएँ व्रत रखती हैं और अहोई माता की पूजा करके अपने बच्चों की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना करती हैं। पावन भाव से व्रत करते हुए महिलाएं अपने घरों में बच्चों के लिए विशेष व्यंजन भी बनाती हैं। अहोई अष्टमी की सुबह महिलाएँ स्नान कर निर्जला व्रत आरंभ करती हैं और शाम को तारों के दर्शन के बाद ही व्रत खोलती हैं। माना जाता है कि अहोई माता की पूजा करने से संतान की रक्षा होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। अहोई अष्टमी के दिन "अहोई कथा" सुनने की भी परंपरा है। शाम के समय गाँव की महिलाएँ एकत्र होकर अहोई माता की कथा का वाचन करती हैं। इस सन्दर्भ में प्रचलित लोक कथा के अनुसार, एक बार एक स्त्री जंगल में मिट्टी खोदने गई थी। अनजाने में उसके फावड़े से एक साही (या शेरनी के बच्चे) को चोट लग गई और वह मर गया। उस स्त्री को शाप मिला कि उसकी संतान जीवित नहीं रहेगी। दुःखी होकर जब उसने पश्चाताप किया, तो उसे बताया गया कि वह कार्तिक कृष्ण अष्टमी के दिन अहोई माता की पूजा करे। स्त्री ने श्रद्धा से व्रत रखा और माता की कृपा से उसे संतान सुख प्राप्त हुआ। तभी से यह व्रत अहोई अष्टमी के नाम से प्रसिद्ध हुआ। कथा के बाद सात बार "अहोई माता की जय" बोलकर माताएँ अपने बच्चों के नाम लेती हैं और माता से उनकी रक्षा और लंबी आयु की प्रार्थना करती हैं।

अहोई अष्टमी का पर्व बड़े श्रद्धा के साथ जनमानस को लोककला से जोड़ने का कार्य करता चला आ रहा है। हरियाणा के कई इलाकों में अहोई अष्टमी लोककला का भी सुंदर प्रदर्शन बन जाती है। इस दिन महिलाएँ अपने घरों में दीवार या कागज़ पर अहोई माता की आकृति बनाती हैं। यह चित्र गेरू, चावल के घोल या मिट्टी से पारंपरिक लोककला शैली में बनाया जाता है। चित्र में माता के साथ सात बिंदियाँ बनाई जाती हैं, जो सात संतान या सात पीढ़ियों का प्रतीक मानी जाती हैं। बाघ या साही का चित्र अहोई माता का वाहन दर्शाता है। महिलाएँ अहोई माता की आकृति पारंपरिक शैली में बनाती हैं, उसके आगे जकरी रखती हैं और चाँदी की "श्यो माता की माला" भी रखती हैं। घर में जितने बच्चे हों उतनी ही चांदी से बनी पत्तियाँ माला में डालकर इन पर पहनाई जाती हैं या यह माला विवाहित स्त्रियाँ संतान प्राप्ति की कामना से धारण करती हैं। मिट्टी की "जकरी" बनाई जाती है जिसे पूजा के बाद जलाशय में विसर्जित किया जाता है। हालांकि मिट्टी की "जकरी" का स्थान आजकल लगभग सब जगह धातु के बने छोटे कलश ने ले लिया है।

अहोई माता की आकृति पारंपरिक शैली में बने चित्र के आगे दो "जकरियाँ" रखी जाती हैं, एक में पानी और दूसरी में अनाज या भोजन सामग्री। पूजा के समय इन जकरियों में दीपक जलाकर माता की आराधना की जाती है, प्रसाद चढ़ाया जाता है और कथा सुनने के बाद सभी महिलाएँ एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देती हैं। पूजा के बाद इन्हें अहोई माता के आगे रखा जाता है और भाई दूज के दिन "पानी वाली जकरी" का जल घर में छिड़का जाता है।

हरियाणा की लोक परंपरा में "बाणा काढ़ना" भी अहोई अष्टमी के दिन की जाने वाली परम्पराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। "बाणा" जिसमें महिलाएं इस दिन सास और ननद बहू को श्रृंगार सामग्री जैसे चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, मिठाई, कपड़े या नारियल भेंट करती हैं। यह प्रथा परिवार में प्रेम और अपनापन बढ़ाने का प्रतीक मानी जाती है। हरियाणा में यह कहावत प्रचलित है "सासू देवे बाणा, बहू राखे व्रत निभाणा।"

ऐसा माना जाता है कि इससे घर का वातावरण पवित्र रहता है और बच्चों की सुरक्षा होती है। इस परंपरा में हरियाणा के लोगों की आस्था और घरेलू संस्कारों की गहराई झलकती है। हरियाणा की लोक परंपरा में "बाणा काढ़ना" भी अहोई अष्टमी के दिन की जाने वाली परम्पराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। "बाणा" जिसमें महिलाएं इस दिन सास और ननद बहू को श्रृंगार सामग्री जैसे चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, मिठाई, कपड़े या नारियल भेंट करती हैं। यह प्रथा परिवार में प्रेम और अपनापन बढ़ाने का प्रतीक मानी जाती है। हरियाणा में यह कहावत प्रचलित है "सासू देवे बाणा, बहू राखे व्रत निभाणा।" इससे परंपरागत ढंग से बड़ों के प्रति सम्मान की भावना का विकास भी होता है।

जन सामान्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार हरियाणा के विभिन्न जिलों में अहोई अष्टमी की अपनी अलग-अलग लोक परंपराएँ हैं। रोहतक और झज्जर क्षेत्र में महिलाएँ अहोई माता का चित्र चाँदी के फ्रेम में रखकर पूजा करती हैं और "सात अनाज" जैसे गेहूँ, चावल, मूँग, सरसों, तिल, दालें और जौ का दान देती हैं। भिवानी और सिरसा में बच्चों के हाथ में सुई-धागा बंधवाने की परंपरा है, जो सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। वहाँ पूजा के समय हलवा-पूरी का भोग लगाया जाता है और बाद में बच्चों को खिलाया जाता है। पानीपत, करनाल और कुरुक्षेत्र की महिलाएँ शाम को मंदिरों में एकत्र होकर सामूहिक रूप से आरती गाती हैं और इसे दीवाली की तैयारियों की शुरुआत मानती हैं। रेवाड़ी, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहरी क्षेत्रों में अब प्रिंटेड या डिजिटल चित्रों से पूजा की जाती है, लेकिन भाव वही रहता है बच्चों की सुरक्षा और परिवार की समृद्धि की कामना।

इस अवसर पर पूजा के बाद महिलाएँ गरीबों या जरूरतमंदों को भोजन, कपड़े या अनाज दान करती हैं और बड़ों के चरण छूकर आशीर्वाद लेती हैं। कई जगहों पर महिलाएँ अपने आँगन में मिट्टी के बने छोटे-छोटे दीयों की कतार लगाती हैं जिन्हें "अहोई दीए" कहा जाता है। तारे निकलने के बाद माताएँ बच्चों के नाम लेकर तारों को अर्घ्य देती हैं। इस तरह अहोई अष्टमी हरियाणा में न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि परिवारिक एकता, स्त्री के त्याग और मातृत्व की भावनाओं का उत्सव भी है। यह पर्व पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आ रही उस संस्कृति का प्रमाण है, जिसमें स्त्री अपने परिवार के सुख और संतानों के कल्याण के लिए तप और भक्ति दोनों को समान भाव से निभाती है। अहोई माता की पूजा केवल एक व्रत नहीं, बल्कि प्रेम, आस्था और मातृत्व की अखंड परंपरा है जो हरियाणा की मिट्टी में आज भी उसी भाव से जीवित है।

संस्कृति | रामबीर सिंह 'राम'

लोकगीतों में 'कातक'

राम-राम! हरियाणवियों अथवा भारतीयों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में बसे भारतवंशियों के लिए दिवाली का पावन पर्व का उल्लास, उत्साह और विश्वास उनके जीवन का अंग है। इसलिए दिवाली मनाने के बारे में कुछ कहना या लिखना बेमानी-सा प्रतीत होता है। इस पर भी उन हरियाणा के लोगों की बात करें जो अपने दिन की शुरुआत से लेकर किसी से अभिवादन तक 'राम' के अतिरिक्त किसी और शब्द को स्थान न देते हों तो थोड़ा और हैरानी की बात होगी। दरअसल, भारत में दीपावली केवल एक दिन का पर्व नहीं, बल्कि पांच दिन का उत्सव अर्थात 'पंचोत्सव' है, जो कार्तिक मास की त्रयोदशी तिथि से लेकर शुक्ल पक्ष की द्वितीया तक मनाया जाता है।

ऐसे में जब दिवाली को लेकर हम हरियाणा की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि देखते हैं तो वह आह्लादित कर देती है। जहाँ पूरा कार्तिक माह ही एक उत्सव प्रतीत होता है और इसे पवित्र और पुण्यदायी महीना माना जाता है। हरियाणा में कार्तिक के माह के लोकगीत प्रचलन में हैं। इन लोकगीतों की जड़ें उतनी ही गहरी हैं, जितनी उसकी कृषि परंपरा। जब कार्तिक का महीना आता है, तो गाँवों की सुबह सरोवरों की कलकल ध्वनि और लोकनारी के स्वर से गूंज उठती हैं। महिलाएं भोर में सूर्योदय से पूर्व सरोवरों में 'कातक न्हाण' यानि स्नान के लिए जाती हैं। 'कातक न्हाण' के लिए महिलाएँ प्रातःकाल मिट्टी के दीप जलाकर, हाथों में पूजन सामग्री लिए, समूहों में एकत्र होती हैं। उनके कंठ से फूटते हैं वे मधुर हरियाणवी गीत जो पीढ़ियों से विरासत बनकर चले आ रहे हैं। एक ऐसा प्रसिद्ध गीत देखिए .....

राम अर लछमण दशरथ के बेटे
दोन्यूं बणखंड जां,
हे जी कोई राम मिलै भगवान,
एक बण चाले दो बण चाले
तीजे में लग आई प्यास,
हे जी कोई राम मिलै भगवान,

इसी प्रकार एक और गीत में तुलसी पूजा पर देखें..

....तुलसां माता तैं सुख दाता
बिडला सीजूं तेरा
तैं कर निस्तारा मेरा
किरसन जी का कांधा दइओ
पीताम्बर की धोती दइओ
बैकुंठ का बासा दइओ
हो ज्या निस्तारा मेरा
बिडला सीजूं तेरा

ऐसा ही एक और लोकगीत देखें ....

सत की साथण पाणी नै चाली, या तुलसां गैल होली हो राम
भरण गाई जल जमना की झारी हो राम
सत की साथण न्यू उठ बोली या तुलसां ओड कुवारी हो राम
भरण गाई जल जमना की झारी हो राम

कार्तिक स्नान पर ही एक गीत अद्भुत है जो आम जन-जीवन की स्थितियां परिभाषित करता है ....

आओ राधा नहाण चलां, मेरे राम
म्हारा तो नहीं ए चलान,दूधां मैं रम रही मेरे राम।
दूधां का कैसा हे गमान,आवै बिलाई पी जावै हरे राम।

कातक के महीने के कुछ लोकगीत यहाँ उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किए हैं। ये केवल बानगी हैं। अन्यथा हरियाणवी लोकगीतों की सरिता निरंतर प्रवाहमयी है, जिसमें श्रद्धा के साथ-साथ गृहस्थ जीवन की सादगी और ग्रामीण स्त्री की भावनाओं का संगीत भी बहता है। ये गीत न केवल स्नान की विधि का अंग हैं, बल्कि लोकभक्ति, आस्था और सामाजिक एकता के जीवंत प्रतीक हैं, जिसमें कार्तिक न्हाण के गीत भी इसी भावधारा के प्रतीक हैं। इन गीतों में रामभक्ति और कृष्णभक्ति का माधुर्य, नदियों का पवित्र स्पर्श और खेत-खलिहान की गंध घुली है। जो हमारी गाँव की आत्मा, नारी की श्रद्धा और संस्कृति की निरंतरता के सजीव प्रमाण हैं।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

प्रकाश | जब दिवाली की रात नै हजारां दीये जलैं सैं, तो वे सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदे, बल्कि म्हारे मन म्ह उम्मीद जगावैं सैं

दीया : म्हारी सनातन संस्कृति की अमर ज्योत

परंपरा | जयदेव राठी भराण

माट्टी के उस छोट्टे से दीये म्ह जो ज्योत जलैं सै, वा सिर्फ उजाला कोनी, बल्कि म्हारी सनातन संस्कृति की आत्मा सै। जब कोए दीया जलैं सै, तो वो सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदा, बल्कि अपणे भित्तर के अज्ञान रूपी अन्धेरे नै भी मिटाण का संकल्प लेवै सै। यो साधारण सा दिखण आल्ला माट्टी का दीया म्हारी आस्था, बिश्वास अर आध्यात्मिकता का निशान सै।

माट्टी तै बण्या, माट्टी म्ह मिलण आल्ला

दीये की सबतै बड्डी खासियत यो सै के वो माट्टी तै बणै सै - उस्से पंचतत्व तै जिसतै यो दुनिया अर हम सारे बणे सां। कुम्हार अपणे हाथां तै जब माट्टी नै आकार देवै सै, तो वो सिर्फ एक बर्तन कोनी बणावै, बल्कि पूजा का एक पवित्तर साधन बणावै सै। यो दीया हाम्नै याद दिलावै सै के हम सारे माट्टी के बणे सां अर एक दिन माट्टी म्ह ए मिल जावांगे।

यो साधारणता म्ह असाधारणता का संदेश देवै सै। दीये की बणावट जितनी सीधी सै, उतना ए गहरा सै इसका दर्शन। चार मुंहा दीया हो या एक मुंहा, हरेक दीये म्ह तेल या घी भरया जावै सै अर बाती राक्खी जावै सै। जब यो दीया जलैं सै, तो इसकी लौ ऊपर कान्नी उठै सै - यो हाम्नै सिखावै सै के जिन्दगी म्ह हमेशा ऊपर उठण का, उन्नति का जतन करणा चाहिए।

आत्मा की लौ, ध्यात्मिक महत्त्व

सनातन धरम मै दीया आत्मा का प्रतीक होवै सै। जैसे दीया तेल, घी और बाती तै जलैं सै, उसे तरहैं आत्मा शरीर और करम तै चमकै सै। ध्यान लगावण मै दीया की लौ ठहरै सै और मन भी पूजा, यज्ञ और ध्यान मै दीया जरूरी सै क्योंकि यो अंदर की ज्योत नै जगावै सै ।सनातन परम्परा म्ह दीया का आध्यात्मिक महत्त्व घणा गहरा सै। दीये की ज्योत नै ब्रह्म का निशान मान्या जावै सै - वो परम उजाला जो सारे अन्धेरयां नै दूर करै सै। जब हम किसे देवता कै आठगै दीया जलांवां सां, तो यो सिर्फ एक रस्म कोनी होवै, बल्कि यो म्हारी प्रार्थना होवै सै के 'हे प्रभु, जिसा यो दीया अन्धेरे नै दूर कर रह्या सै, उस्से तरहां ए मेरी जिन्दगी तै अज्ञान का अन्धेरा दूर करो'। दीये के विभिन्न अंग हामनै जिन्दगी की सीख देवैं सै। दीये का आधार म्हारी नींव सै - म्हारे संस्कार, म्हारी माट्टी। तेल या घी म्हारे करमां का निशान सै - बढ़िया सोच करम ए जिन्दगी रूपी दीये नै जल्लाएं राक्खैं सै। बाती म्हारा मन सै - जै मन साफ सै तो ज्योत स्थिर अर चमकदार रहवैगी। अर वा लौ वा म्हारी आत्मा सै, जो सदा ऊपर, परमात्मा की ओड़ उठण का जतन करै सै।

प्रकृति और परम्परा, समाज की बात

आज जैब बिजली का झाल्लर और प्लास्टिक का सजावट चालै सै, तो माटी का दीया जलाणा एक तरहैं तैं पर्यावरण बचावै और आत्मनिर्भरता का फैसला बन गया सै। दीया ना केवल प्रकृति नै बचावणै की जिम्मेदारी दिखावै सै, बल्कि गांम के कारीगरों के घर मै भी उजाला करै सै। हर एक रोजगार सै एक सम्मान सै। माटी का दीया गांम के कुम्हार की मेहनत का प्रतीक सै, जो शहर मै भी अपनी जगह बना ले सै। दीया एकता, अपनापन और लोक कला की पहचान सै।

दीया म्हारी सभ्यता का वाहक, आस्था का निशान

दीया सिर्फ माटी का बण्या एक छोटा पात्र कोनी सै, यो म्हारी सभ्यता का वाहक सै, म्हारी आस्था का निशान सै। म्हारी जिन्दगी दर्शन का मूर्त सै, जब हम एक दीया जलावां सां तो हम अपणे भित्तर भी एक दीया जलावां सां - ज्ञान का, प्रेम का और करुणा का। सनातन संस्कृति म्ह दीये का स्थान अमर सै।

यूगों तै यो म्हारे घरां म्ह, मन्दरां म्ह,
तीज - त्यौहारां म्ह उजाला फैला रह सै।
तमसो मा ज्योर्तिमय ॥

दीया निराशा म्ह आशा का निशान सै। जब कोए माणस दुःख म्ह होवै सै, अन्धेरे तै घिरया होवै सै, तब एक दीया जलां कै हम उसनै संदेश देवां सां - अन्धेरा कितना भी घना हो, उजाले की जीत पक्की सै। योए संदेश सै म्हारी संस्कृति का - तमसो मा ज्योतिर्गमय - अन्धेरे तै उजाले की ओर चाल्लो।

जब दीवाली की रात नै हजारां दीये जलैं सैं, तो वे सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदे, बल्कि म्हारे मन म्ह उम्मीद जगावैं सैं। वे कहवैं सैं के जिन्दगी म्ह कितनी भी मुश्किलां आवैं, हम मिलकै उनने दूर कर सकां सां। हरेक छोट्टा जतन महत्त्वपूर्ण सै, जिसा हरेक छोट्टा दीया अन्धेरे नै कम करण म्ह योगदान देवै सै। आण आली पीढ़ी जब दीया जलावै गी तो वे ना सिर्फ एक परम्परा का पालन करै गी बल्कि उस शाश्वत सच नै भी जिन्दा राख्गी उजाला ए जिन्दगी सै उजाला ए सच सै।

दीया निराशा म्ह आशा का निशान सै। जब कोए माणस दुःख म्ह होवै सै, अन्धेरे तै घिरया होवै सै, तब एक दीया जलां कै हम उसनै संदेश देवां सां - अन्धेरा कितना भी घना हो, उजाले की जीत पक्की सै। योए संदेश सै म्हारी संस्कृति का - तमसो मा ज्योतिर्गमय - अन्धेरे तै उजाले की ओर चाल्लो।

आओ हम सारे संकल्प लेवां के अपणी जिंदगी नै एक दीये की तरह बणावां जो खुद जलैं अर दूसरां नै भी उजाला दे जो विनम्रता तै माटी पै टिक्का हो सै पर जिसकी ज्योत आसमान की ओड उठै सै । जो अन्धेरे तै लडै अर सदा उजाले की जीत का संदेश दें।

दीपों ज्योति परब्रह्म, दीपो ज्योति जनार्दन : ।
दीपो हरतु मे पाप दीप ज्योतिनरमोस्तुते ॥

योए सै दीये की महिमा, योए सै उसका संदेश, जब ताहीं या दुनिया सै, दीये की ज्योत म्हारी जिंदगी नै उजाली करदी रहवै गी ।

सांस्कृतिक धरोहर वृद्ध केदार तीर्थ और ग्यारह रुद्री मंदिर

आस्था | अंकुर शर्मा

सरस्वती की पवित्र धारा से पोषित कैथल एक महाभारत कालीन ऐतिहासिक शहर है। इसे वेद, पुराण, महाभारत आदि पवित्र ग्रंथों की रचना स्थली होने का गौरव प्राप्त है। विद्वानों का मानना है कि जहां सरस्वती नदी के तट पर वेदों की ऋचाओं का सृजन हुआ; जहां कपिष्ठल गोत्रीय लोगों ने ही कपिष्ठल-कठ संहिता नामक ग्रन्थ की रचना की; जहां विश्व प्रसिद्ध गणितज्ञ वराह मिहिर ने भी अपनी शिक्षा यहां प्राप्त कर बृहत्सहिता जैसे श्रेष्ठ ग्रंथ की रचना की थी; वह कपिस्थल ही है। महाभारत, वामन पुराण, पाणिनी की अष्ठाध्यायी में कपिस्थल का उल्लेख मिलता है। चौथी शताब्दी ई.पू. के सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में यूनान के राजदूत रहे मैगस्थनीज ने अपनी पुस्तक इंडिका में इसे कबीस्थलो लिखा है। प्रसिद्ध विदेशी यात्री अल्बरूनी ने अपनी पुस्तक किताब-उल-हिन्द में कवितात नाम से इस का उल्लेख किया है। एक किवदन्ती के अनुसार यहां कपि अर्थात बन्दर अधिक पाए जाने के कारण इसे कपिस्थल कहा जाता था। यहां अंजनी माई का टीला है जिसे हनुमान जी का जन्म स्थान माना जाता है। इस प्रकार कपिस्थल, कपिष्ठल, कवितात ही अपभ्रंश होता हुआ आज का कैथल बना है।

कपिस्थल की पवित्रता और सांस्कृतिक समृद्धि का उल्लेख वामन पुराण और महाभारत में विस्तार से किया गया है। ऋग्वेद के तृतीय मण्डल 3/23/4 में सरस्वती की उपनदी आपगा नदी की स्थिति का उल्लेख किया गया है। जबकि वामन पुराण तथा महाभारत के वन पर्व में कैथल के पश्चिम में आपगा और मानुष तीर्थ स्थान है। जबकि ऋग्वेद प्रथम मंडल(1/23/4) में भी अपाय और मानुष का उल्लेख आता है। कुरुक्षेत्र की पवित्र 48 कोस में प्राप्त 134 तीर्थ स्थानों में से 50 तीर्थ सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कैथल की परिधि में आते हैं। जिनमें पवनहृद तीर्थ, फल्गु तीर्थ, पवनेश्वर तीर्थ, कपिल मुनि तीर्थ, पुण्डरीक तीर्थ, कोटिकूट तीर्थ, वेदवती तीर्थ, वृद्ध केदार तीर्थ,

ग्यारह रुद्री तीर्थ, हव्य तीर्थ, रसमंगल तीर्थ, इक्षुमति तीर्थ, अरंतुक यक्ष, लवकुश तीर्थ, वामन तीर्थ, ऋणमोचन तीर्थ आदि प्रमुख हैं। इन पवित्र तीर्थों में से दो तीर्थ वृद्ध केदार और ग्यारह रुद्री कैथल शहर के मध्य स्थित हैं। जिनका बहुत महत्त्व माना जाता है।

कैथल से उत्तर पूर्व में स्थित वृद्ध केदार तीर्थ का बहुत प्रसिद्ध है। वामन पुराण 36वें अध्याय में बताया गया है कि अगर कोई व्यक्ति इस स्थान पर तर्पण करके भगवान शिव को प्रणाम करने के बाद तीन चल्लू पानी पिता है, वह केदार तीर्थ पर जाने का फल प्राप्त कर लेता है -

कपिलस्थेति विख्यातं सर्वपातकनाशनम।
यस्मिन स्थितः स्वयं देवो वृद्धकेदारसंज्ञितः । (वामन पुराण, 36/14)

इसी प्रकार इस सन्दर्भ में महाभारत के वन पर्व में वर्णित है:

कपिष्ठलस्य केदारं समासाद्य सुदुर्लभम ।
अन्तर्धानमवाप्नोति तपसा दग्धकिल्बिषम ॥ (महाभारत, वन पर्व 83/74)

यहां एक शिव मन्दिर बना हुआ है जो अष्टकोणीय है। यहां बने सरोवर की बुजियां भी अष्टकोणीय आकार लिए हैं। वामन पुराण में ऐसा भी कहा गया है कि कपिस्थल नामक तीर्थ में वृद्ध केदार नामक भगवान स्वयं विराजमान हैं। इसी प्रकार कैथल के ही पश्चिम में दूसरा महाभारत काल से एक प्रसिद्ध पुण्यदायी तीर्थ स्थान एवं मंदिर है ग्यारह रूद्री । इस मन्दिर में ग्यारह रूद्रों की स्थापना की गई है। जिनके विषय में महाभारत में वर्णित उल्लेख के अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र जो महान ऋषि थे मृगव्याध, सर्प, निऋति, विनाकी, अहिवुध, अजैकपाद दहन, ईश्वर, कपाली, स्थाणु और भव। महाभारत के आदिपर्व में लिखा है :-

एकादशसुताः स्थाणोः ख्याताः परमतेजसः।
मृगव्याधश्चसर्पश्च निऋतिश्चमहायशाः।
अजैकपादहिर्बुध्न्यः पिनाकी च परंतप।
दहनोथेश्वरश्चैव कपाली च महाद्युतिः।
स्थाणुर्मगश्च भगवान रूद्रा एकादशस्मृताः। (महाभारत, आदि पर्व 66/1-3)

ये एकादश ही रूद्रों के रूप में प्रसिद्ध हुए हैं। इस मन्दिर में जलहरी में ग्यारह रूद्र स्थापित किए गए हैं। मन्दिर के दक्षिण में सर्वदेव नामक तीर्थ है। जिसे सकलसर भी कहा गया है।

कैथल के तीर्थों और मंदिरों के बारे में इस संक्षिप्त आलेख में तो यही कहा जा सकता कि कैथल के मंदिरों और तीर्थस्थलों का महत्त्व केवल आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नगर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान से जुड़ा हुआ है। यहाँ का प्रत्येक मंदिर भगवान हनुमान का प्रसिद्ध अन्नपूर्णा मंदिर हो या श्री राधा-कृष्ण का शांतिमय धाम, जनमानस की श्रद्धा और परंपरा का जीवंत प्रतीक है। इन तीर्थों के दर्शन से न केवल धार्मिक संतोष मिलता है, बल्कि यह नगर के गौरवशाली अतीत की झलक भी प्रदान करते हैं। कैथल की भूमि स्वयं महाभारतकालीन स्मृतियों से ओतप्रोत है, जहाँ धर्म, वीरता और भक्ति एक साथ प्रवाहित होते हैं। यहाँ के मंदिरों में गूंजती आरती, साधु-संतों के प्रवचन और तीर्थयात्रियों का आगमन नगर को निरंतर पावन ऊर्जा से भर देता है। यही कारण है कि कैथल केवल मानचित्र पर एक शहर नहीं, बल्कि हरियाणा की आध्यात्मिक धड़कन है जहाँ हर शिलाखंड में इतिहास बोलता है और हर प्रार्थना में भक्ति की अनुगूँज सुनाई देती है। इस नगर के मंदिर और तीर्थ आज भी यह संदेश देते हैं कि संस्कृति तभी जीवित रहती है जब आस्था उसकी जड़ों में साँस लेती रहे।

कैथल केवल मानचित्र पर एक शहर नहीं, बल्कि हरियाणा की आध्यात्मिक धड़कन है जहाँ हर शिलाखंड में इतिहास बोलता है और हर प्रार्थना में भक्ति की अनुगूँज सुनाई देती है। इस नगर के मंदिर और तीर्थ आज भी यह संदेश देते हैं कि संस्कृति तभी जीवित रहती है जब आस्था उसकी जड़ों में साँस लेती रहे।

खबर संक्षेप

अवैध हथियार सहित एक आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। सीआईए की एक टीम द्वारा अवैध हथियार सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। सीआईए प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर ने बताया कि पुलिस की एक टीम थाना बेरी क्षेत्र में तैनात थी। इस दौरान पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि राजवीर निवासी सिवाना जिला झज्जर अवैध हथियार लिए हुए दूबलधन सिवाना रोड नहर पुल पर खड़ा हुआ है। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदेह के आधार पर एक व्यक्ति को पकड़ा गया। पकड़े गए व्यक्ति की तलाशी लेने पर उसके पास एक कट्टे से एक अवैध हथियार बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए माननीय अदालत में पेश किया गया। जहां से अदालत के आदेशानुसार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

युवाओं को निःशुल्क दी जाएगी होम स्टे ट्रेनिंग

झज्जर। प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं के लिए एक नई पहल शुरू की गई है, जिसके अंतर्गत उन्हें होम स्टे की निःशुल्क ट्रेनिंग दी जाएगी। योजना का उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना और उन्हें

जीतपाल

अपने घरों के कमरों को गेस्ट हाउस के रूप में किराए पर देकर अतिरिक्त आमदनी अर्जित करने में सक्षम बनाना है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गुढ़ा के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी जीतपाल ने बताया कि इस योजना को युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग, हरियाणा सरकार के कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। यह योजना पहले केवल पंचकूला, कुरुक्षेत्र, गुरुग्राम और फरीदाबाद जिलों के युवाओं के लिए लागू थी, लेकिन अब इसे पूरे हरियाणा राज्य के 15 से 29 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए विस्तारित किया गया है। आगामी 17 अक्टूबर तक आवेदन किए जाने हैं। निःशुल्क ट्रेनिंग के दौरान प्रतिभागियों के प्रशिक्षण एवं ठहराव का खर्च विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। प्रतिभागियों को गृह जिले के बस स्टैंड से कुरुक्षेत्र बस स्टैंड तक सामान्य बस के किराए की अदायगी विभाग द्वारा की जाएगी।

गेट पास प्रणाली किसानों के लिए परेशानी बनी किसानों को नियमों के नाम पर परेशान किया जा रहा

किसानों व आढ़तियों ने एंट्री रोकने पर रोष जताया

गेट पास को लेकर अनाज मंडी में किसानों और कर्मचारियों में टकराव

झज्जर। अनाजमंडी में बाजरा उठान में जुटे श्रमिक, अनाजमंडी में धान की फसल को धूप लगाते हुए श्रमिक। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

अनाज मंडी में गेट पास प्रणाली लागू किए जाने को लेकर रविवार को किसानों और मंडी कर्मचारियों के बीच टकराव की स्थिति बन गई। मंडी प्रशासन द्वारा बिना गेट पास के किसानों को प्रवेश से रोकने पर नाराज किसानों और आढ़तियों ने बैठक कर विरोध जताया। आढ़तियों का कहना है कि कई किसानों ने गेट पास लागू होने से पहले ही अपना बाजरा मंडी में डाल दिया था, लेकिन अब उनसे जबरन गेट पास मांगा जा रहा है। आढ़ती विनोद पूनिया ने कहा कि किसानों को नियमों के नाम पर परेशान किया जा रहा है। गेट पास प्रणाली किसानों के लिए परेशानी का कारण बन रही है।

प्राइवेट स्तर पर बाजरा खरीद का कार्य जारी रहा

कर्मचारियों को चाहिए कि वे अपनी कार्यशैली में सुधार लाएं ताकि किसानों को राहत मिल सके। अगर ऐसी स्थिति बनी रही तो किसान भावांतर भरपाई योजना का लाभ लेने से भी वंचित रह जाएंगे। हर दिन नए-नए नियम बनाकर किसानों की मुश्किलें बढ़ाई जा रही हैं। पूनिया ने कहा कि जिला प्रशासन को इस मामले में हस्तक्षेप कर शीघ्र ही समस्या का स्थाई समाधान निकालने का प्रयास कराना चाहिए। उधर, प्राइवेट स्तर पर बाजरा खरीद का कार्य जारी रहा। मंडी में धान की आवक भी हो रही है। आढ़तियों द्वारा बोली लगाकर धान की खरीद की जा रही है। अच्छी क्वालिटी के धान की बोली 2950 रुपये प्रति क्विंटल तक रही।

52449 बच्चों को पिलाई दवा

तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत

झज्जर। पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान की शुरुआत करते हुए जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

स्थानीय नागरिक अस्पताल में रविवार से पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत की गई। जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान बिरधाना ने पांच वर्ष की आयु तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाते हुए अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और प्रदेश सरकार का यह संयुक्त प्रयास है कि देश से पोलियो का पूरी तरह उन्मूलन हो और कोई भी बच्चा पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से प्रभावित न हो। उन्होंने आमजन से स्वास्थ्य टीम का सहयोग करने का आह्वान करते हुए अपील की कि वे अपने बच्चों को पोलियो की दो बूंदें अवश्य पिलाएं। डॉक्टर बसंत दुबे व डॉक्टर साहिल कादियान ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान 14 अक्टूबर तक जिलेभर में चलाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग की टीमें बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों और घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी। जिले में इस अभियान के अंतर्गत 1,18,218 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें से 52,449 बच्चों को दवा पिलाते हुए पहले ही दिन करीब 44 फीसदी से अधिक लक्ष्य हासिल किया गया।

बच्चों की समस्या व समाधान पर चर्चा की

झज्जर। तिलक लगाकर अभिभावकों व बच्चों का स्वागत करते हुए शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। आरपीएस स्कूल में रविवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कक्षा नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के बच्चों के अभिभावकों ने भाग लिया। प्राचार्या अंजू यादव ने बताया कि इस प्रकार की अभिभावक-शिक्षक बैठक का मुख्य उद्देश्य बच्चों की समस्याओं पर चर्चा करके उसका समाधान करना है। बैठक में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, छात्रों की कॉपी का मूल्यांकन, अनुशासन, कक्षा उपस्थिति, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सड़क सुरक्षा, ड्रग एजुकेशन पॉलिसी व संस्कार आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। पीटीएम के दौरान विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क नेत्र जांच और दंत जांच शिविर का आयोजन भी किया गया। शिविर में रोग विशेषज्ञों की टीम ने बच्चों की जांच करते हुए उन्हें आंखों व दांतों की देखभाल करने की प्रेरणा दी। बैठक में पहुंचने वाले अभिभावकों व बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

ज्यादा से ज्यादा ग्राम समितियों से जुड़ने की अपील की

मातनहेल खंड में ग्राम समितियों का प्रशिक्षण वर्ग खंड कार्यक्रम का समापन

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष सतीश छिकारा। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

भारतीय किसान संघ के मातनहेल खंड में ग्राम समितियों का प्रशिक्षण वर्ग खंड अध्यक्ष राजपाल बंबुलिया की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में उपस्थित प्रदेशाध्यक्ष सतीश छिकारा, संभाग संगठन मंत्री मोहिंदर, जिलाध्यक्ष धर्मवीर गुलिया ने अपने विचार रखे। जिलाध्यक्ष धर्मवीर गुलिया ने सभी खंडों में संगठन के कार्य के बारे विस्तार से बताया और उपस्थित कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा ग्राम समितियों से जुड़ने बारे अपील की। संभाग संगठन मंत्री मोहिंदर सिंह ने संगठन की रीति नीति के बारे में बताते हुए कहा कि भारतीय किसान संघ दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रवादी, गैर राजनीतिक, निस्वार्थ किसानों का किसानों के लिए संगठन है। जो किसानों के लिए संगठनात्मक, रचनात्मक व आंदोलनात्मक कार्य करता है। वहीं प्रदेशाध्यक्ष सतीश छिकारा ने ग्राम समितियों के गठन और उनके दायित्वों के बारे बताया कि भारतीय किसान संघ की स्थापना 4 मार्च 1979 को राजस्थान के कोटा जिले में दत्तोपंत ठेंगड़ी द्वारा भारत के किसानों की आवाज को समान रूप से पूरे देश के लिए उठाने के लिए किया।

मौके पर ये मौजूद रहे

उन्होंने जहर मुक्त खेती, नशा मुक्त गांव के नारे को साथ रखते हुए गौ आधारित जैविक खेती करने के लिए किसानों को प्रेरित किया। इस मौके पर सत्यवीर आर्य, जिला उपाध्यक्ष रविंद्र धनखड़, ग्राम विकास संयोजक मनोज कुमार, आजेंद्र सिंह, मोनू यादव, अशोक कुमार खंड मंत्री संदीप गोरिया, खंड उपाध्यक्ष तकदीर सिंह, रमेश कुमार, हरिचंद्र, परवीन कुमार, आनंद सिंह, राजबीर सिंह, मोहित छिल्लर, जयपाल सिंह, आशु देव, सुनील कुमार, संजय चौहान, वीरेंद्र सिंह, पवन, अजय, कुलदीप जांगड़ा, सतबीर सिंह, पवन कुमार, संदीप, रतिराम, सोमबीर, सोनू, पंकज, अनिल कुमार, सूरजभान आर्य, चरण सिंह सहित काफी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

कीर्तन की है रात बाबा आज थाणै आणो है

श्रीश्याम सेवा मंडल द्वारा शिव-हनुमान मंदिर छावनी में दूसरे विशाल श्रीश्याम महोत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

श्रीश्याम सेवा मंडल द्वारा शनिवार की रात्रि शिव-हनुमान मंदिर छावनी में दूसरे विशाल श्रीश्याम महोत्सव का आयोजन किया गया। बाबा का विशाल भव्य दरबार विभिन्न प्रकार के फूलों व लाइटों से सजाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। मंच का संचालन संदीप सैनी ने किया। जागरण के दौरान श्रद्धालुओं ने खाटू श्याम की जय, तीन बाणधारी की जय, हारे के सहारे की जय के जयकारे लगाए। गायक कलाकारों मधुर भजनों से समां बांधा। उन्होंने गणपति वंदना व श्रीहनुमान की स्तुति के बाद एक से बढ़कर एक मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। इसी दौरान कीर्तन की है रात बाबा आज थाणै आणो है, भजनों सुनाकर उन्होंने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर किया। इस दौरान भाजपा नेता मनीष बंसल व फार्रुखनगर नप चेयरमैन बीरबल सैनी ने भी विशेष रूप से शिरकत करते हुए बाबा का आशीर्वाद लिया।

झज्जर। श्रीश्याम महोत्सव में मुख्यातिथि मनीष बंसल को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते आयोजन समिति सदस्य।

आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी का चुनाव 16 को

झज्जर। चुनाव अधिकारी का स्वागत करते हुए एसोसिएशन सदस्य।

झज्जर। स्थानीय सेक्टर-6 स्थित सीनियर सिटीजन क्लब में रविवार को रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आम सभा का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन प्रधान अरुण नांदल ने की। बैठक का मुख्य एजेंडा सेक्टर में होने वाले रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के चुनाव से संबंधित रहा। इस दौरान चुनाव अधिकारी डॉक्टर जगदीश राहड़ के पहुंचने पर प्रधान अरुण नांदल व अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने उनका स्वागत किया। डॉक्टर जगदीश राहड़ ने चुनाव का शेड्यूल जारी करते हुए 16 नवंबर को एसोसिएशन के चुनाव का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया। कार्यकारी प्रधान अरुण नांदल ने बताया कि वर्तमान में 289 मतदाता आगामी चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए नई कार्यकारी का चुनाव करेंगे। चुनाव अधिकारी डॉक्टर जगदीश राहड़ ने निवर्तमान कार्यकारिणी को एक सफल कार्यकाल के लिए बधाई देते हुए आगामी चुनाव को निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने की बात कही।

शिव मंदिर में लगाया भंडारा

जून ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की

बहादुरगढ़। भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते विधायक राजेश जून व अन्य ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को गांव बामडोली में शिव मंदिर व दादा बड़ा जोहड़ सेवा समिति द्वारा आयोजित भंडारे में विधायक राजेश जून ने शिरकत की। जून ने इस मौके पर मंदिर में पूजा-अर्चना कर सभी लोगों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया और मंदिर कमेटी को 11 हजार रुपये का सहयोग भी दिया। ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत करने के बाद पगड़ी बांधकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। विधायक ने कहा कि ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजन समाज में एकता और भाईचारे को मजबूत करते हैं।

■ प्रसाद ग्रहण कर मंदिर कमेटी को 11 हजार रुपये का सहयोग दिया

देवी मंदिर परिसर में विशेष सम्मान समारोह का आयोजन

पाटौदा गांव में होनहार प्रतिभाओं का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

पाटौदा गांव के देवी मंदिर परिसर में रविवार को एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मार्केट कमेटी अध्यक्ष एवं कॉ-ऑपरेटिव बैंक रेवाड़ी के नव नियुक्त चेयरमैन सतबीर सुलौधा व अजय पाटौदा मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। यादव महासभा के प्रधान राम अवतार पाटौदा ने बताया कि अमर शहीद राव तुलाराम की प्रतिमा पर पुष्पार्पित करके शुरू हुए इस समारोह में पहुंचने पर दोनों अतिथियों का फूल मालाओं से स्वागत किया तथा पारंपरिक रीति से उन्हें लड्डुओं से तोला गया। कॉ-ऑपरेटिव बैंक की डायरेक्टर गरावड़ा निवासी पिंकी यादव का भी सम्मान किया गया। चेयरमैन सतबीर सुलौधा ने अपने संबोधन में कहा कि कॉ-ऑपरेटिव बैंक सदैव किसानों, व्यापारियों और ग्रामीणों की सेवा के लिए समर्पित रहेगा। आश्वासन दिया कि गांव के प्रत्येक व्यक्ति की बैंकिंग संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा और बैंक सेवाओं को अधिक सुलभ बनाया जाएगा। अजय पाटौदा ने भी अपने वक्तव्य में कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए उनका बैंक निरंतर प्रयासरत रहेगा।

कॉ-ऑपरेटिव बैंक सदैव किसानों, व्यापारियों और ग्रामीणों की सेवा के लिए समर्पित रहेगा

झज्जर। समारोह में अतिथियों को सम्मानित करते हुए आयोजक समिति पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

ये मौजूद रहे

इस मौके पर पूर्व सरपंच सहदेव, ठेकेदार रामकिशन, सूबे सिंह, विजय कुमार, अनिल, हुकुम, अजय, सदाराम, विक्रम छाबड़ा, रघुवीर नंबरदार, वीर सिंह, लीलू राम, अभय यादव, देवी मंदिर प्रधान कृष्ण, अजीत नंबरदार, जयभगवान नंबरदार, अनिल चौहान, रोशन, हरबक्श, प्रवीण, निक्कू शर्मा, रवि सैनी, दुष्यंत स्वामी, धर्मवीर पंच, विजेंद्र, देवेंद्र, मनीष बोहरा, बलवंत, भीम शर्मा, हनुमत, कृष्ण, चिरंजी, देवेंद्र सेठ, नरेंद्र, विजय, प्रदीप, ओमप्रकाश पंच, लक्ष्मीनारायण, ब्रह्मप्रकाश, मोनू सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

अभिभावकों ने जानी बच्चों की शैक्षिक प्रगति रिपोर्ट

झज्जर। शिक्षकों से अपने बच्चों की शैक्षिक रिपोर्ट लेते हुए अभिभावक।

झज्जर। एलए सीनियर सेकेंडरी स्कूल में परीक्षा परिणामों को लेकर कक्षा प्री-नर्सरी से कक्षा बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए पीटीएम का आयोजन किया गया। स्कूल प्रबंधन केएम डागर ने बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास को लेकर अभिभावकों ने शिक्षकों को आवश्यक सुझाव दिए जिन्हें शिक्षकों द्वारा नोट किया गया। पीटीएम के दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों को इस बैठक की सार्थकता से भी अवगत कराया। स्कूल डायरेक्टर जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया, योजित गुलिया व भविष्य दहिया ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए अपने बच्चे की गतिविधियों पर ध्यान रखने व मोबाइल का उपयोग कम कराने की बात कही। इस मौके पर रविंद्र लोहचब, पिंकी अहलावत, पुष्पा यादव, अमित लोहचब, विशाल, जितेंद्र व मुकेश शर्मा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

वैश्य आर्य शिक्षण महिला कॉलेज में शाखा स्तरीय राष्ट्रीय स्पर्धा का आयोजन

श्री रामा भारती स्कूल की टीम ने जीती समूहगान प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा की ओर से रविवार को वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में शाखा स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में सैनिक नगर स्थित श्री रामा भारती स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। डीएवी स्कूल ने द्वितीय स्थान और अशोका इंटरनेशनल स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। श्री राम मंदिर ओमेक्स सिटी के प्रधान एएस कौशिक ने मुख्य अतिथि, कॉलेज प्रधान सत्यनारायण अग्रवाल और उप प्रधान पवन जैन ने अति विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांतीय उपाध्यक्ष मूलचंद जोशी ने की। मंच संचालन शाखा सचिव नीरज गर्ग ने किया। परिषद की तरफ से सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एएस कौशिक ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिता से आमजन में राष्ट्रभक्ति की भावनाओं का संचार होता है।

विजेता टीम गोहाना में दिखाएगी प्रतिभा

खास बातें

- डीएवी स्कूल ने द्वितीय स्थान और अशोका इंटरनेशनल स्कूल ने तृतीय स्थान पाया
- कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांतीय उपाध्यक्ष मूलचंद जोशी ने की

प्रतियोगिता से छात्रों में देशभक्ति की भावना जागृत होगी

सत्यनारायण अग्रवाल और पवन जैन ने कहा कि इस प्रतियोगिता से छात्रों में देशभक्ति की भावना जागृत होती है। जिला समन्वयक सतीश शर्मा ने बताया कि प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम 16 नवंबर को गोहाना में आयोजित होने वाली प्रांत स्तरीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेगी। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष मुरारी लाल गोयल ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संजय गर्ग, प्रवीण शर्मा, प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा, पूजा सिंघल, सोना बंसल, सुनील बंसल, महेंद्र अग्रवाल, राजबीर बंसल, सौरभ, संजय यादव, संदीप अग्रवाल, रमेश गुप्ता, वीरेंद्र कौशिक, विजय पुन्हानी और एमएस भाटी उपस्थित रहे।

ईमानदार व मिलनसार स्वभाव के कारण सबके चहेते हैं डॉ. अरविंद : पार्षद मिथुन

- वार्ड नंबर दस में केक काटकर मनाया कैबिनेट मंत्री का जन्मदिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रविवार को वार्ड नंबर दस में पार्षद मिथुन शर्मा के निवास पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जन प्रतिनिधियों और शहर के प्रबुद्धजनों ने केक काटकर शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना की। पार्षद मिथुन शर्मा ने कहा कि कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा न केवल एक कुशल राजनीतिज्ञ हैं, बल्कि उनकी ईमानदार छवि और मिलनसार स्वभाव के कारण वे सभी वर्ग के लोगों के चहेते हैं।

झज्जर। कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा के जन्मदिन पर केक काटते हुए प्रबुद्धजन।

ये रहे मौजूद

इस दौरान राजेंद्र भारद्वाज, पूर्व वाइस चेयरमैन प्रवीन गर्ग, संत सुरेहती, पूर्व चेयरमैन मनीष नंबरदार, पार्षद यशपाल, पार्षद दिनेश छिकारा, सतपाल शर्मा, अनंतराम भारद्वाज, दिलावर सैनी, अशोक गोयल, दिनेश सैन, हेमंत नंदा, अशोक सैनी, वीरेंद्र सरोहा, नितिन वर्मा, रमेश भारद्वाज, शिवओम भारद्वाज, पंकज शर्मा, संजय शर्मा, हंसराज शर्मा, संदीप सैनी और विजय हरित सहित काफी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

मेधावी छात्रा को मंच ने किया सम्मानित

बहादुरगढ़। करीना को सम्मानित करते मंच के पदाधिकारी व सदस्य।

बहादुरगढ़। बालिका दिवस के उपलक्ष्य में भगवान परशुराम कल्याण मंच द्वारा मनाली गांव में करीना को सम्मानित किया गया। करीना ने 12वीं वाणिज्य में 99.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर हरियाणा में द्वितीय स्थान हासिल किया था। प्रधान एवं अध्यापक सुशील भारद्वाज, अश्विनी कुमार बराही, सेवानिवृत्त डाकपाल कौशिक, पूर्व सरपंच नंबरदार जगदेव कौशिक, धर्मवीर, हरदत्त, महावीर व अन्य लोगों ने करीना को प्रमाणपत्र, मोमेंटो व नकद राशि से प्रोत्साहित किया। करीना ने बताया कि वह अब सीए बनना चाहती है।

मुसाफिरों को यातायात नियमों का पढ़ाया पाठ

रेलवे स्टेशन पर साइबर ठगी को लेकर किया जागरूक

बहादुरगढ़। रेलवे स्टेशन परिसर में लोगों को जागरूक करती पुलिस।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

राजकीय रेलवे पुलिस की ओर से रविवार को रेलवे स्टेशन परिसर में जागरुकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस कर्मियों ने यात्रियों को साइबर ठगी के बारे में विस्तार से जानकारी दी और जागरूक किया। लोगों को बताया कि शातिर साइबर ठग किस तरह से तरकीबें लगाकर लोगों की पूंजी पर हाथ साफ करते हैं। फर्जी कॉल, फिशिंग लिंक और लुभावने ऑफर से बचने की सलाह दी गई। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना देने के लिए कहा गया। इस दौरान जहरखुरानी के प्रति भी जागरूक किया गया।

संदिग्ध व्यक्ति या सामान की सूचना पुलिस को दें

पुलिसकर्मियों ने बताया कि ट्रेन या प्लेटफॉर्म पर किसी भी अनजान व्यक्ति से खाने-पीने का सामान न लें। अपना सामान हमेशा अपने पास रखें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या सामान को देखकर तुरंत पुलिस को सूचित करें। यात्रियों को गलत तरीके से रेलवे ट्रैक क्रॉस करने के खतरों से भी आगाह किया गया। ट्रैक पार करने की बजाय यात्रियों को हमेशा फुटओवर ब्रिज और अंडरपास का इस्तेमाल करना चाहिए, ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। एएसआई उर्मिला, एचसी प्रदीप, सुमन व कांस्टेबल राजेंद्र आदि टीम में शामिल थे।

कवियों ने कविता पाठ में नारी शक्ति को किया नमन

अखिल भारतीय साहित्य परिषद के जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक के सम्मान में हुआ काव्योत्सव

- कार्यक्रम में मंच संचालन जगबीर कौशिक ने किया
- राजकुमार गाइड ने प्रेरक रचनाएं प्रस्तुत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर की बैंक कॉलोनी में अखिल भारतीय साहित्य परिषद के जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक के जन्मदिन पर भव्य काव्योत्सव का आयोजन किया गया। कृष्ण गोपाल विद्यार्थी के सानिध्य में हुए इस कार्यक्रम में मंच संचालन जगबीर कौशिक ने किया। विश्व बालिका दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में शिव ओम शिव व अनिल भारतीय ने लिंगभेद के आधार पर अपने ही बच्चों में भेदभाव करने वाले अभिभावकों की आलोचना करते हुए समाज के उत्थान में नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। विरेंद्र कौशिक ने सुनाया कि लोरी गा-गा के मुझको सुनाती रही, सिर रखकर गोद में मुझको सुलाती रही, मेरे दिल में वो ममता की मूरत बसी, याद हर पल मुझे उसकी आती रही। राजकुमार गाइड ने कुछ प्रेरक रचनाएं प्रस्तुत कीं।

बहादुरगढ़। काव्योत्सव में विरेंद्र कौशिक को सम्मानित करते रचनाकार।

प्रस्तुति से बांधा समा

वेद भारती व अर्चना झा ने भगवान राम को समर्पित रचनाओं की सुमधुर प्रस्तुति से समां बांध दिया। शिव ओम शिव तथा मुकेश व्यास ने तनाव मुक्त जीवन जीने के उपाय बताए। जगबीर कौशिक ने एक पति की व्यथा-कथा सुनाते हुए खूब हंसाया। कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने सुनाया कि तू अपनी सोच को यूं बेवजह बीमार न कर, बड़ा आसान है जीना, इसे दुश्वार न कर, अंधेरा है तो जला दीप या मशाल कोई, तमाम रात यूं सूरज का इंतजार न कर। अंत में रजनीश कौशिक ने सभी का आभार जताया। इस दौरान नित्यानंद झा व रामनिवास शर्मा भी उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। अपने कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा करते पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून।

पूर्व विधायक ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

बहादुरगढ़। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार आत्महत्या प्रकरण में पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून ने सरकार से लीपापोती करने की बजाय पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की मांग की है। रविवार को अपने कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा करते हुए पूर्व विधायक राजेंद्र जून ने कहा कि इस आत्महत्या प्रकरण ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। यह घटना सरकार की कार्यशैली और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। जब प्रदेश में एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी तक सुरक्षित नहीं है तो आम जनता की सुरक्षा की का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। सरकार को पीड़ित परिवार द्वारा दी गई नामजद शिकायत पर निष्पक्ष जांच करवाते हुए नामजद आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन आजाद राठी, राजेश कल्सन, मुख्तयार दलाल, देवेंद्र दहिया, प्रदीप जून, नित्यानंद झा, रामबीर प्रधान, राजेंद्र माजरा, संजय पहलवान, नवीन बराही, हरिचंद अहलावत, कर्मवीर राव, धीरज जून, धनवंत फौजी, अमन व जगदीश कुमार आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। प्रमाण पत्र के साथ सह योग शिक्षक व अन्य।

सह योग शिक्षकों को दिए प्रमाण पत्र

बहादुरगढ़। वार्ड-13 स्थित वीर सावरकर पार्क में योग व प्राणायाम सत्र का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने सत्र में भाग लिया। प्रशिक्षक रोशनी देवी और सुरेश गुलिया ने योगाभ्यास कराते हुए नियमित योग के लाभ बताए। कार्यक्रम के अंत में पौधरोपण भी किया गया। हरियाणा राज्य महिला प्रभारी अमर रावी कैथल से विशेष रूप से बहादुरगढ़ पहुंचीं और प्रशिक्षित 25 महिलाओं को सह योग शिक्षक के प्रमाणपत्र वितरित किए। इसी तरह एचएल सिटी में महिला योग समिति की ओर से भी एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 15 महिलाओं को प्रमाणपत्र दिए गए। कार्यक्रम में जिला प्रभारी सुनील रानी, महिला संगठन मंत्री रोशनी गुलिया, पतंजलि योग समिति के जिला महासचिव नरेश कुमार, पतंजलि सदस्य सुरेश गुलिया और शशि ने सहयोग किया। इस दौरान संगठनात्मक जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। शशि को तहसील प्रभारी, मीनाक्षी को एचएल सिटी महिला प्रभारी, सावित्री को कोषाध्यक्ष, तृप्ता बख्शी को महिला संगठन मंत्री और सुनीता दलाल को यज्ञ प्रभारी नियुक्त किया गया। मास्टर रामकिशन, सुरेंद्र फौजी, पूर्व पार्षद सज्जन सैनी, रणबीर राणा, सतबीर रोहिल्ला, दिलबाग, कौशल सैनी, सरिता, प्रोमिला, सुमन देवी, सुशीला और कलावती आदि इस अवसर पर मौजूद रहे।

एचटी लाइन के विरुद्ध सफल किसान आंदोलन चलाने पर किया सम्मानित

दहकौरा में हवन पर किया किसान नेताओं का सम्मान

- यजमान के रूप में डॉ महेंद्र सिंह लोहचब ने आहुति डाली
- आर्य रमेश ने मोर्चा के नेतृत्व में बढ़ी मुआवजे की राशि के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव दहकोरा में रविवार को शिव मंदिर में हवन किया गया, जिसमें एचटी लाइन के विरुद्ध सफल किसान आंदोलन चलाने वाले भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के प्रतिनिधि उपस्थिति रहे। ग्रामीणों ने सभी किसान नेताओं को सम्मानित किया। यजमान के रूप में डॉ महेंद्र सिंह लोहचब ने आहुति डाली। आर्य रमेश ने मोर्चा के नेतृत्व में बढ़ी मुआवजे की राशि के बारे में बताया। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतेंद्र लोहचब, राष्ट्रीय महासचिव रोहतास दलाल और अध्यक्ष कर्मवीर दहिया ने बताया कि देशभर में अब एचटी लाइन से प्रभावित किसानों को वास्तविक मार्केट मूल्य से नुकसान की भरपाई तय होगी। इस मौके पर मंदिर कमेटी के प्रधान विजय सिंह, ललित रूहिल, विनय, सुरेश, ऋषि, राहुल, सतेंद्र व धर्मवीर आदि मौजूद रहे।

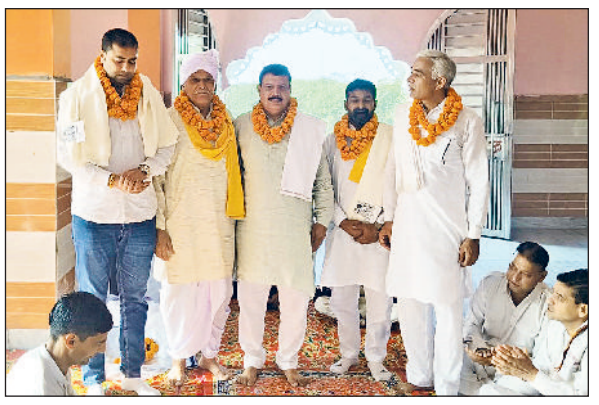

बहादुरगढ़। मोर्चा के पदाधिकारियों को सम्मानित करते ग्रामीण।

बहादुरगढ़। आयोजकों से अवॉर्ड प्राप्त करती अनुराधा यादव व अंशु यादव।

हरदयाल पब्लिक स्कूल को मिले अवॉर्ड

बहादुरगढ़। कॅरियर चेंज मेकर द्वारा हरदयाल पब्लिक स्कूल बहादुरगढ़ को बेस्ट इनोवेटिव स्कूल और बेस्ट स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। स्कूल प्रबंधन के अनुसार यह सम्मान विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा। निदेशिका अनुराधा यादव के अनुसार यह उपलब्धि विद्यालय की नवनवीन शिक्षण पद्धतियों, आदर्श स्कूल भवन, आधुनिक सुविधाओं और समर्पित शिक्षकों की सतत मेहनत का परिणाम है। प्रिंसिपल अंशु यादव के अनुसार स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लर्निंग, उत्कृष्ट प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय तथा सुरक्षित व स्वच्छ वातावरण के साथ दूरदर्शी प्रयासों ने हरदयाल पब्लिक स्कूल को हमेशा अग्रणी बनाए रखा है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

खातीवास में अभिनंदन समारोह कल

झज्जर। क्षेत्र के गांव खातीवास स्थिति दादा सिराज वाला मंदिर में मंगलवार को यज्ञ-भजन-प्रवचन एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जाएगा। भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान खड़गपुर के इंजीनियर दीपक की अमेरिका की एक प्रसिद्ध कंपनी में नियुक्ति के उपलक्ष्य में कराए जा रहे इस आयोजन में यज्ञ ब्रह्मा के रूप में प्राचीन गुरुकुल के अधिष्ठाता आचार्य विजयपाल योगार्थी शिरकत करेंगे। प्रातः नौ बजे हवन तथा दस बजे उपरांत भजन, प्रवचन एवं अभिनंदन कार्यक्रम होगा। आयोजक जसवंत सिंह यादव ने बताया कि इस आयोजन में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी के उप कुलपति डॉक्टर जयप्रकाश यादव को आमंत्रित किया गया। इस दौरान भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

सेक्टर-2 में ब्रह्म समाज सेवा समिति ने किया कार्यक्रम का आयोजन

दिवाली मिलन कार्यक्रम में जुटे 125 परिवार

- छोटे बच्चों ने शिव तांडव स्त्रोत, पौराणिक कथाएं, गायत्री मंत्र व कविता के रूप में रामायण का पूरा विवरण सुनाया

हरिभूमि न्यूज. बहादुरगढ़

शहर के सेक्टर-2 में स्थित गौरी शंकर मंदिर एवं धर्मशाला में ब्रह्म समाज सेवा समिति द्वारा दिवाली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें ब्राह्मण समाज के लगभग 125 परिवार शामिल हुए। सरस्वती वंदना से शुरू हुए कार्यक्रम में छोटे बच्चों ने शिव तांडव स्त्रोत, पौराणिक कथाएं, गायत्री मंत्र व कविता के रूप में रामायण का पूरा विवरण सुनाया। कई गतिविधियों में महिलाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मंच संचालन नीरज वत्स और ऋषि सोनू भारद्वाज ने किया। इस दौरान प्रधान महेश वशिष्ठ, पूर्व विधायक नरेश कौशिक, भाजपा नेता दिनेश कौशिक, चेयरमैन विनोद कौशिक, पालेराम शर्मा, प्रिंसिपल जेपी शर्मा, प्रिंसिपल राजवंती शर्मा, जयवीर भारद्वाज, कृष्ण वशिष्ठ, सुरेंद्र वशिष्ठ, सोमनाथ शर्मा, रामानंद शर्मा, राजेंद्र शर्मा, हरिराम कौशिक, राजकुमार, आनंद शांडिल्य, भूपेंद्र वशिष्ठ, घनश्याम शर्मा, अनिल शर्मा, नरेश भारद्वाज, सतीश शर्मा व मदन तिवारी आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। दिवाली मिलन कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व विधायक नरेश कौशिक। फोटो : हरिभूमि